8. हमारे त्यौहार

सोचो-बोलो

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. कुछ त्यौहारों के नाम बताइए।
3. स्त्रियाँ क्या गा रही होंगी?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

(शारदा और रशीदा दोनों सहेलियाँ हैं। वे एक ही पाठशाला में पढ़ती हैं। दशहरे की छुट्टियों के बाद मिलती हैं। बातचीत करती हुई चलती हैं।)

रशीदा : कैसी हो शारदा?

शारदा : मैं ठीक हूँ। तुम कैसी हो?

रशीदा : मैं भी ठीक हूँ। तुमने दशहरा कैसे मनाया?

शारदा : बहुत अच्छी तरह।

रशीदा : दशहरा त्यौहार कहाँ-कहाँ मनाया जाता है?

शारदा : दशहरा त्यौहार पूरे देश में मनाया जाता है। इन दिनों जगह-जगह पर गौरी पूजा की जाती है।

रशीदा : तेलंगाणा राज्य में गौरी पूजा किस त्यौहार के रूप में मनाते हैं?

शारदा : हमारे तेलंगाणा राज्य में गौरी पूजा के रूप में बतुकम्मा त्यौहार मनाते हैं।

रशीदा : हाँ, मुझे पता है। हमारे पड़ोस में भी बतुकम्मा खेलते हैं। तरह-तरह के फूलों

SCERT TELANGANA

से सजी बतुकम्मा सुंदर लगती है।

शारदा : सही कहा तुमने। महिलाएँ और लड़कियाँ सामूहिक रूप से गीत गाती हुई बतुकम्मा के चारों ओर घूमती हैं। बतुकम्मा को गौरी माँ का रूप मानती हैं।

रशीदा : एक बार बतुकम्मा की दो पंक्तियाँ गाकर सुनाओ न!

शारदा : हाँ-हाँ क्यों नहीं ! लो सुनो-

बतुकम्मा बतुकम्मा उय्यालो, बंगारु गौरम्मा उय्यालो।

मा ऊरू कोच्चिंदी उय्यालो, मा इंटिकोच्चिंदी उय्यालो।।

रशीदा : वाह! बहुत अच्छा गीत है।

शारदा : बतुकम्मा जैसे लोक उत्सव देश की शोभा बढ़ाते हैं।

रशीदा : हाँ शारदा... तुम ठीक कहती हो। अच्छा मैं चलती हूँ।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. त्यौहार क्यों मनाते हैं? आपको अन्य धर्मों के कौन-कौन से त्यौहार पसंद है?

2. महिलाओं व लड़कियों द्वारा मनाये जाने वाले कुछ विशेष त्यौहारों के नाम बताइए।

पढ़ो

(अ) किसने कहा-

1. वाह! बहुत अच्छा गीत है!

2. हाँ-हाँ क्यों नहीं! लो सुनो-

3. हमारे पड़ोस में बतुकम्मा खेलते हैं।

लिखो

1. बतुकम्मा उत्सव कैसे मनाया जाता है?

.....

.....

2. आपके घर में कौनसा उत्सव धूम-धाम से मनाया जाता है? उसमें आप क्या करते हैं? लिखिए।

.....

.....

.....

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

(अ) वर्ग पहेली में से त्यौहारों के नाम चुनकर लिखिए।

दी	पा	व	ली	र
प	रा	न	ग	म
हो	क्रि	च	त	जा
ली	ओ	स	प	न
गा	त	ण	म	ल
सं	क्रां	ति	म	स

.....

.....

.....

.....

भाषा की बात

(अ) नीचे दिये गये वाक्य और चित्र ध्यान से देखिए।

मैं खेलता हूँ।

हम खेलते हैं।

यह खेलता है।

ये खेलते हैं।

वह खेलता है।

वे खेलते हैं।

ऊपर दिये गये वाक्यों में रेखांकित शब्द **सर्वनाम** कहलाते हैं।

सर्वनाम :- संज्ञा के स्थान पर आनेवाले शब्दों को 'सर्वनाम' कहते हैं। जैसे :- मैं, तू, तुम, आप, यह, वह, ये, वे, हम आदि।

SCERT TELANGANA

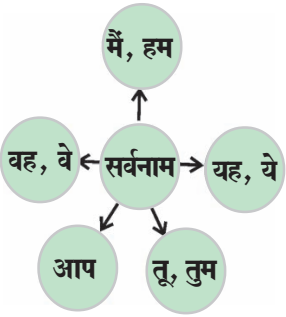

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

अपने मनपसंद किसी त्यौहार की शुभकामनाएँ देते हुए छोटा सा (SMS)बनाइए।

.....

.....

.....

.....

.....

परियोजना कार्य

लोक उत्सव गीत इकट्ठा कीजिए चार्ट पर चिपकाइए। कक्षा में सुनाइए।

जैसे : बतुकम्मा बतुकम्मा उय्यालो, बंगारु गौरम्मा उय्यालो।

मा ऊरू कोच्चिंदी उय्यालो, मा इंटिकोच्चिंदी उय्यालो।।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. मैं पाठ का सारांश अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।		
3. मैं पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

त्यौहार से मेलजोल की भावना बढ़ती है।

SCERT TELANGANA

स्वच्छता और स्वास्थ्य

पढ़ो-आनंद लो

पाठशाला का समय हुआ। टन-टन टन-टन घंटी बजी। सभी बच्चे मैदान में जमा हुए। प्रार्थना हुई। प्रार्थना के बाद प्रधानाध्यापक ने स्वास्थ्य रक्षा कार्यक्रम की जानकारी दी। सभी छात्रों को भाग लेने के लिए कहा।

सभी बच्चे अपनी-अपनी कक्षाओं की साफ़-सफ़ाई में लग गये। साथ-साथ कक्षा की सजावट भी करने लगे। देखते-देखते पाठशाला का वातावरण ही बदल गया। वहाँ का सारा वातावरण स्वच्छ हो उठा।

दोपहर के भोजन के बाद स्वास्थ्य रक्षा कार्यक्रम आरंभ हुआ। इसमें प्रधानाध्यापक, सभी अध्यापक, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, सरपंच के अलावा छात्र व उनके माता-पिता भी आये थे।

कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। जिला स्वास्थ्य अधिकारी स्वास्थ्य रक्षा के बारे में बताने लगे- ''स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छ रहना ज़रूरी है, स्वच्छ रहना माने...हर दिन स्नान करना चाहिए। साफ़ कपड़े पहनने चाहिए। नाखून बढ़ने पर उन्हें काटना चाहिए। सिर पर तेल लगाकर कंघी करनी चाहिए। भोजन से पहले हाथ धोने चाहिए। नल-कूपों के पास भी सफ़ाई रखनी चाहिए।''

इसके बाद प्रधानाध्यापक ने शरीर की स्वच्छता के बारे में बताया। सरपंच जी ने अपने भाषण में अड़ोस-पड़ोस की सफ़ाई का महत्व समझाया। जब कार्यक्रम समाप्त हुआ तो बच्चों ने ज़ोरदार तालियाँ बजायीं।

SCERT TELANGANA